भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3960

जिसका उत्तर 18 मार्च, 2020 को दिया जाना है।

28 फाल्गुन, 1941 (शक)

साइबर-सुरक्षा में रोजगार के अवसर

3960. श्रीमती वांगा गीता विश्वनाथ :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या डेटा गोपनीयता पर अधिक ध्यान देने से देश में साइबर-सुरक्षा संबंधी नौकरियों की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान सृजित साइबर-सुरक्षा नौकरियों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या अधिकतर रोजगार बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध हो रहे हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में साइबर सुरक्षा नौकरियों पर कोई अध्ययन किया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम रहे हैं; और

(घ) साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों सहित इस क्षेत्र में भविष्य में कितने रोजगार अवसर सृजित होंगे ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री संजय धोत्रे)

(क) से **(घ)** : भारत में आईटी/आईटीईएस क्षेत्र की वृद्धि; डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के प्रसार; लगातार बढ़ते खतरों से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा और निजता पर बढ़ रहे फोकस और साथ ही अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। उभरती हुई प्रौद्योगिकियों जैसे कि क्लाउड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) इत्यादि को अपनाने से भी साइबर सुरक्षा की आवश्यकता बढ़ने की उम्मीद है। तथापि, एमईआईटीवाई द्वारा ऐसा कोई विशेष अध्ययन नहीं करवाया गया है। बेंगलुरु, पुणे, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नै, गुरूग्राम, नोएडा इत्यादि जैसे शहर प्रमुख आईटी और वित्तीय हब हैं तथा तदनुसार, ऐसे वृद्धि के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

*****